प्रवाह

हिंदी प्रेस क्लब

दिवस-3 | अंक-4

FIS PRESENTS

APOGEE 2022

THE ENCRYPTED DIMENSION

IN ASSOCIATION WITH CISCO

POWERED BY BOLT

7TH - 10TH APRIL

संपादकीय

एक दिन में तीन POR के इंटरव्यू देना आसान नहीं था। भरी लाइब्ररी के मध्य में बैठकर जब मेरा इंटरव्यू चल रहा था, मैं बता नही सकती मेरे अंदर कितने विचारों ने घर कर रखा था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इतनी बड़ी ज़िम्मेदारी के काबिल समझा जाएगा। बहुत समय के बाद एक ऑफलाइन फ़ेस्ट हुआ है तो ज़ाहिर सी बात है बच्चों के बीच काफ़ी जोश तो होने ही वाला था। APOGEE- एक छोटा सा शब्द, लेकिन यह छह वर्णो के शब्ध की ज़िम्मेदारी बहुत बड़ी होती हैं ये मुझे इन चार दिनों में अनुभव हो गया हैं। इस वर्ष के अपोजी ने अपने थीम को पूरी तरह से सिद्ध किया है। पिछले वर्ष भी हमने अपोजी का काम किया था लेकिन औफ़लाइन और औंलाइन अपोजी में बहुत अंतर होता हैं। सब कुछ समान होकर भी कितना अलग था। जहाँ एक तरफ़ कुछ समय पहले बिट्स के छात्रों को बाहर जाने नहीं दिया जा रहा था अब दूसरे शहरों के कॉलेजो के बच्चे भी आने वाले थे। ADP ने पूरे कैम्पस को नए दुल्हन की तरह सजाया और उसकी सुंदरता में चार चाँद लगाए।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमने रोज़ अपने NEWSLETTERS निकाले थे जिनकी फोल्डिंग मीट हम सबके लिए एक नया अनुभव थी। इस वर्ष हमने Wallmag भी छपवाया जिसे हमने सभी भवनों की मेस एवं अन्य मुख्य स्थलो पर रखवाया। Wallmag में हमने COSTAA और फ़ेस्ट में इवेंट्स आयोजित करने वाले सभी क्लब्स के समन्वयक का साक्षात्कार लिया। सभी समन्वयको ने हमें उनके क्लब के द्वारा आयोजित इवेंट्स की जानकारी दी। चार दिन का यह फ़ेस्ट कम रोमांचक नहीं था, इसमे कई रोमांचक एवेंट्स हुए जैसे कि रिर्वस इंजीन्यरिंग, मिस्टरि रूम, राएट स्टोरी, स्नकेस अंड लड्डेर्स, आदि, जिसमे भारी मात्रा में लोगों ने हिस्सा लिया।

सभी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए सौभाग्य की बात है की उन्हें अपने पहले साल में ही एक औफ़लाइन फ़ेस्ट का अनुभव मिल गया। आशा है कि आगे आने वाले सभी फ़ेस्ट में वो हमारी गलतियों से सीखेंगे और हमसे बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

पेप टॉक के मुख्य अंश

PEP ने AUDI में कल शाम 5 बजे AUDI में नेगिन कॉक्स से वार्तालाप आयोजित कराई जिसमें नेगिन ने बिट्स पिलानी के छात्रों को संबोधित किया और उनसे खुलकर बातचीत की। धार्मिक अंतर और लिंग-असमानता के बीच पली-बड़ी एक लड़की ने किस प्रकार NASA के मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभाई, यह कहानी अपने आप में काफ़ी रोचक व प्रेरणादायक है। ज़ैनब नेगिन कॉक्स का जन्म 1965 में कर्नाटक के बैंगलोर शहर में हुआ था। उनका बचपन कुआला लाम्पुर और कैनसस सिटी, कैनसस में गुज़रा था और उनकी माध्यामिक शिक्षा शॉनी मिशन ईस्ट हाई स्कूल में हुई थी। बचपन से ही उनकी ब्रम्हांड की खोज करने में रुचि थी जो "Star-Trek" और "Cosmos: A Spacetime Odyssey" जैसी टेलीविज़न सीरिज़ को देखकर जगी थी ; और यहीं से उनका नासा के मंगल अभियानों में शामिल एक अहम वैज्ञानिक बनने का सफ़र शुरू हुआ। उन्होंने 1986 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग और मनोविज्ञान का अध्ययन किया व 1990 में "Air Force Institute of Technology" से अंतरिक्ष संचालन प्रणाली इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल करी। अपने जीवनकाल के बारे में बताते हुए उन्होंने बताया कि एक मुस्लिम परिवार में एक बच्चे के रूप में उनके अनुभवों ने उन्हें दिखाया कि लोग कितनी आसानी से लिंग, नस्ल या राष्ट्रीयता के आधार पर खुद को अलग कर लेते हैं; और इसने उन्हें कुछ ऐसा करने के लिए प्रेरित किया जो लोगों को विभाजित करने के बजाय एक साथ लाता है। अंतरिक्ष कार्यक्रम, दुनिया को "ऊपर देखने " में मदद करता है और याद रखता है कि हम एक दुनिया हैं। इस प्रकार, वह 14 वर्ष की उम्र से जानती थीं कि वे रोबोटिक अंतरिक्ष अन्वेषण के मिशन पर काम करना चाहती हैं। उन्होंने गैलीलियो मिशन (जो जुपिटर ग्रह की जानकारी प्राप्त करने के लिए शुरू हुआ था), मार्स एक्सप्लोरेशन रोवर्स, केपलर एक्सोप्लैनेट हंटर, इनसाइट और मार्स क्यूरियोसिटी रोवर सहित इंटरप्लानेटरी रोबोटिक मिशनों पर नेतृत्व और सिस्टम इंजीनियरिंग पदों पर कार्य किया है। 2015 में, क्षुद्रग्रह 14061 का नाम 'नेगिन-कॉक्स' रखकर उन्हें सम्मानित किया गया।

अंत में, छात्रों को संबोधित करते हुए, उन्होंने बताया कि उन्हें अपने करियर विकल्प का चयन किस प्रकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य कुछ साधारण नौकरियों की प्राप्ति न होकर मनुष्यों की मदद करने के लिए खुद को बेहतर बनाना होना चाहिए। उन्होंने Elon Musk के उदाहरण का हवाला देते हुए इस कथन का समर्थन किया कि किस प्रकार वे मनुष्यों के आसान परिवहन के लिए रॉकेट की लागत को कम करने में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन का मार्ग समाज के अनुसार नहीं बल्कि अपनी रुचियों और खुशी के अनुसार चुनना चाहिए। हमें समाज की भलाई के लिए जीवन में मिलने वाले हर अवसर का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहिए। इस वार्तालाप ने छात्रों को प्रेरित भी किया और उनका मार्गदर्शन भी।

लॉस्ट स्टोरीज़

कल के “व्हेन चाय मेट टोस्ट” कॉन्सर्ट के बाद आज दूसरा प्रौफ़ शो हुआ जिसका नाम था - “सन बर्न कैम्पस -Lost Stories X Virat Munjal!”। सभी छात्रों में कल के प्रौफ़ शो के बाद काफ़ी उत्साह था। सभी को उम्मीद थी कि आज का कार्यक्रम कल से बेहतर होगा। सनबर्न इस उम्मीद पर खरा उतरा।
कल की गलतियों से सीख लेकर DLE ने आज कार्यक्रम को बेहतर ढंग से संभाला। कोई BST न होते हुए कार्यक्रम समय पर शुरू हुआ। पहले विराट मुंजाल ने माहौल बनाते हुए शुरुआती आधे घंटे तक रोमांचित करने वाले रीमिक्स बजाये। सभी लोगों में उत्साह की लहर दौड पड़ी और हर तरफ हर्ष और उल्लास का माहौल था। गानों की धुन पर सभी मस्ती में झूम रहे थे। विराट मुंजाल के शो के तुरंत बाद मंच की शोभा Lost Stories ने बढ़ाई। उनके आने से मानो EDM Night में चार चांद लग गए। Lost Stories ने शुरुआत अंग्रेज़ी गानों से की, परंतु उसके बाद सटीक समय पे हिंदी एवं पंजाबी गानों का मिश्रण बजा कर उन्होंने मनोरंजन बरक़रार रखा।
सभी लोग अपने-अपने मित्रों के साथ गानों का लुत्फ़ उठा रहे थे। रात 11:20 तक चलने वाली इस EDM Night ने उत्साह से भरपूर APOGEE में मानो ऊर्जा का संचार कर दिया।
इस प्रकार अपोजी का दूसरा प्रोफ़ शो सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

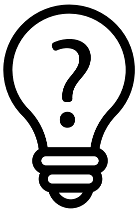

रातभर चला सवालों का बवाल

BoB यानि ब्रेन ऑफ बिट्स ELAS का सबसे बड़ा और प्रसिद्ध इवेंट है। ये हर साल अपोजी में होता है और सभी प्रतिभागी AUDI में इसका लुत्फ़ उठाते है। रात को 12 बजे शुरू होके BoB सुबह 6 बजे तक चलता है। हर साल पिछले साल का विजयता इस साल का BoB पेश करता है, और सभी प्रश्न वह खुद बनाता है। अपोजी 2022 के BoB कि मेज़बानी 2019 के विजयता ‘शेनॉय’ ने की। सभी प्रश्न स्वरचित होते हैं, और बिट्सियन जनता के लिए खास बनाए जाते हैं। prelims में सभी छात्र भाग ले सकते हैं, और फईनाल्स में 6 सर्वश्रेष्ठ अंक वाले प्रतिभागी पहुँचते हैं। prelims में 30 प्रश्न पूछे जाते है जिनका उत्तर कागज़ पर लिखकर देना होता है। सारे उत्तर जांचने के बाद सर्वश्रेष्ठ 6 की घोषणा होती है और वे फाईनल मंच पर खेलतें हैं। फाईनल में तकरीबन 70 प्रश्न और होते हैं। इस कठिन प्रणाली के बाद ही अगला ब्रेन ऑफ बिट्स घोषित होता है। सुनने में आया है विजयता हर साल बाकी प्रतिभागियों को ट्रीट ज़रूर देतें हैं। तो आप भी इस महासंग्राम में भाग ले, जीतने के लिए नही तो ट्रीट के लिए ही सही।

1, 2, 3, सोल्ड ...

अपोजी हिंदी प्रेस द्वारा आयोजित रायट स्टोरी इस अपोजी के सबसे सफल इवेंट्स में से एक था। इस इवेंट में 20 से भी ज़्यादा टीमों ने भाग लिया था। इवेंट का पहला चरण 8 मार्च को हुआ था, जिसमें मिस्ट्री-बॉक्स नामक प्रतियोगिता में भाग लेकर सबसे अधिक अंक पाने वाली 7 टीमों ने अगले चरण में अपनी जगह बनाई।

दूसरा चरण काफ़ी दिलचस्प एवं रोमांचक था। इसमें प्रतियोगियों को नीलामी में से पात्र, जगह और कुछ वस्तु खरीदनी थी, और उनका इस्तेमाल करके एक कहानी का निर्माण करना था। यह नीलामी बाकी नीलामियों से अलग थी क्योंकि इसमें बोली लगाने के लिए किसी प्रकार के धन का इस्तेमाल नहीं, बल्कि खुदके समय का ही इस्तेमाल करना था। सभी टीमों ने काफ़ी उत्साह दिखाते हुए नीलामी में भाग लिया और एक से बढ़कर एक चीज़ें ख़रीदीं। कई टीमों ने चतुराई दिखाते हुए अपनी मनपसंद चीज़ें भी खरीद लीं और ज़्यादा समय भी नहीं खर्चा। नीलामी समाप्त होने के बाद हर टीम अपनी कहानी बनाने में लग गई। कई टीमों के पास 30 से अधिक मिनट बचे थे तो कुछ टीमों के पास केवल 6 मिनट। हर टीम ने अपनी पूरी कोशिश करते हुए कहानी बनाई।

सबसे अच्छी कहानी किसकी थी, इसका निर्णय लेने के लिए बिट्स के सीनियर छात्र नितिन वट्स और अतीक्षा मित्तल ने निर्णायकों की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के अंतिम चरण तक आते-आते निर्णायकों के लिए विजेता चुनने की दुविधा अपने चरम पर आ गई थी। जहाँ एक ओर कुछ टीमें नाटकीय रूपांतरण करके अपनी कहानी प्रस्तुत कर रही थीं, वहीं दूसरी ओर कुछ ने अपनी टीम के सबसे श्रेष्ठ कथावाचक को चुनकर उनसे कहानी प्रस्तुत करवाई। निर्णायकों को सभी टीमों की कहानी बेहद पसंद आईं। दोनों निर्णयकों ने टीमों की कहानियों की खूब प्रशंसा की। सभी प्रतियोगियों को इस प्रतियोगिता में खूब आनंद आया और उन्होंने आयोजकों को इस प्रतियोगिता का आयोजन करने के लिए भी बधाई दी।

रिवर्स इंजीनियरिंग - एक सुअवसर कुछ सीखने का

मशीनों के इस आधुनिक युग में जहाँ साधारण से कार्य भी किसी यन्त्र की सहायता से करे जाते हैं, ऐसे समय में यांत्रिक ज्ञान की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है। वो कहते हैं न कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है तो बस लोगों की इस ज़रूरत ने जन्म दिया मैन्यूफैक्चरिंग असोसिएशन के आज के इवेंट "रिवर्स इंजीनियरिंग" को।

इस इवेंट में प्रतिभागियों को अपने दिमागी पेंच कसकर अपनी मशीनों की समझ को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाना होता है। मुख्य इवेंट से पूर्व स्वचलन तकनीक पर आधारित एक सामान्य ज्ञान स्पर्धा भी हुई थी। इस स्पर्धा के परिणामस्वरूप 11 दलों को मुख्य स्पर्धा में शामिल करना था परन्तु आने वाले दलों की संख्या अधिक ना होने के कारण 6 के 6 दल ही मुख्य स्पर्धा में पहुँच गये।

मुख्य स्पर्धा 9 अप्रैल को सेंट्रल वर्कशॉप में आयोजित की गयी थी। यह स्पर्धा कुल तीन चरणों में विभाजित की गयी थी। प्रथम चरण में प्रतिभागियों को एक इंटरनल कम्बशन इंजन का पुर्ज़ा-पुर्ज़ा अलग करना था और मूल्यांकन इस आधार पर था कि किसने कितनी बारीकियों से पुर्ज़ों का विभाजन किया। द्वितीय चरण में उस इंजन के सबसे जटिल भाग का 3D चित्रण AUTODESK FUSION 360 पर करना था। चित्र की बारीकी , पेचीदगी और उसकी ख़ूबसूरती ,इस चरण के मूल्यांकन के प्रमुख आधार थे। तृतीय चरण में प्रतिभागियों को विभाजित करे हुए इंजन को पुनः व्यवस्थित रूप से जोड़ना था। एक रोचक बात यह थी कि जिस दल ने ज़्यादा बारीकी से पुर्जे निकाले थे उस दल को इंजन के पुनरनिर्माण में कठिनाइयाँ हुईं एवं जिसने भी ऊपरी तौर पर इंजन को खोला था उसका तृतीय चरण शीघ्रता से समाप्त हो गया। अंततः तीनों चरणों के अंकों के मिलान से परिणाम निर्धारित होगा। निर्णायक प्राध्यापक को समय ना मिलने के कारण नतीजे आज आयेंगे। कुल मिलाकर निष्कर्ष ये है कि इस इवेंट ने प्रतिभागियों को उत्साहित करने के साथ-साथ उनके मशीनी ज्ञान का वर्धन भी करा।

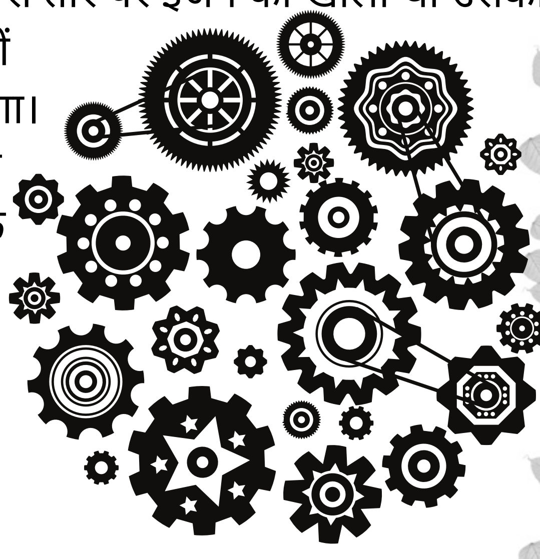

खोज: समय से युद्ध

हाई ऑन हीलियम में मस्ती करने के बाद मै वी.आर. का अनुभव लेने गई। वी.आर अपोजी का मुख्य इवेंट था जिसको लेकर मैं काफी उत्सुक थी। इवेंट मे स्थान ग्रहण करने के बाद,मुझे गॉगल्स दिए गए।अनुभव लेने के बाद जब मैने गॉगल हटाया तो मैं स्तंभ रह गई। मेरे सामने सारी दुनिया बिलकुल बदल चुकी थी।सारी दुनिया के लोग रुक चुके थे।मैं कुछ समझ नहीं पा रही थी।।मैंने देखा लोग वैसे ही अवस्था हैं।डर से मैं इधर उधर भागनी लगी। तभी आचानक से एक तेज आवाज़ मुझे सुनाई देती है जिससे मैं रुक गयी।उस आवाज़ ने मुझसे कहा, ”इधर उधर भागने का कोई फ़ायदा नहीं है। बिट्स पिलानी में समय रुक चुका है।अगर तुम्हे फ़ेस्ट को फिर से शुरू करना है तो तुम्हे कैम्पस पर बिखरे तीन हिस्सों को जोड़ना होगा।याद रहे कि हिस्सों को बढ़ते हुए क्रम में ढूंढना है।सारे हिस्सों को ढूंढने के लिए आपको क्लू मिलेगा।अगर किसी समय आप इस क्रम को तोड़ते हैं,तो आप यहाँ हमेशा के लिए फंसे रह जाओगे।”मैं कुछ समझ पाती कि आचानक मुझे एक नक्शा मिलता है जिसमे सारे हिस्से किस जगह हैं, वह जगह दर्शा रखी थी। मैंने देखा कि हवा में एक घड़ी चल रही हैं।मेरे पास सारे पार्ट को जोड़ने का सिर्फ एक घंटा है।मैं बिना देरी किये हुए नक्शे को देखनी लगी।पहला हिस्सा FD 2 के क्यूटी में है। मैंने फटाफट साइकिल उठाई और FD 2 क्यूटी में पहुँच गयी जहाँ मुझे हिस्सा ढूंढने के लिए पहला क्लू मिला।क्लू कुछ ऐसी चीज को खोजने का मिला जो आम दिनों से आज बड़ा हो गया है।क्लू देखकर मैं सोच में पड़ गई।मैंने देखा कि क्यूटी में स्नके एंड लैडर का खेल चल रहा है और डाइस की साइज बड़ी है।मैंने अपना क्लू समझ लिया।डाइस को उठाने के बाद मुझे आवाज आती है “आपने पहला हिस्सा ढूंढ लिया।शेष समय 25 मिनट है।"मैं काफी प्रसन्न हुई की मैंने अपना पहला हिस्सा ढूंढ लिया परन्तु मेरे लिए खुश होंने का समय नहीं था।मैं नक्शे में अपने अगले हिस्से की जगह को देखा।दूसरा हिस्सा स्काई लॉन में था जहाँ “वाटर रोक्केट्री” का इवेंट हो रहा था।वहाँ पहुँचते ही मुझे दूसरे हिस्से का क्लू मिला जो कुछ इस प्रकार था, ”जो अपने आप में सब को सामा ले”।मैंने देखा वहाँ वाटर बोत्त्ले रखी हुई है। मुझे अपनी दूसरी क्लू का जवाब मिल चुका था। मेरे पास अब 5 मिनट शेष थे।अभी भी मैं काफी भयभीत थी कि मै समय रहते सारे हिस्से एक साथ कर पाऊँगी।बिना समय गवाए मैं अपने आखरी मंजिल कि ओर बढ़ी. आखरी मंजिल मेरी FD 2 की टेरिस थी।वहाँ पहुँचते ही मुझे मेरा आखरी क्लू मिला।क्लू मेरा कुछ इस तरीके से था”ऐसी वस्तु जिससे कुछ भी देखा जा सकता है।”मैंने देखा की वहाँ दूरबीन रखी हुई है।दूरबीन लेते ही मुझे झटका लगा और मैं गिर गयी।

मेरी आँखे खुली तो मुझे पता चला कि मैं वी.आर इवेंट में सो गयी थी।मैंने देखा की दुनिया चल रही है।मैं अपना बैग लेकर वापस मीरा जाने लगी।

प्राइड परेड

भारत में LGBTQ+ संप्रदाय के सदस्य अनेक हैं परंतु इस विषय पर समाज के नियमों के खिलाफ़, निर्भय होकर अपने भाव प्रस्तुत करने वाले बहुत कम। LGBTQ+ संप्रदाय को समाज में स्वीकृति दिलाने हेतु 2012 में एंकर BITS पिलानी की शुरुआत हुई। लेकिन इस संस्था ने अपने शुरूआती वर्षों में कई कठिनाइयों का सामना किया। एंकर के सभी सदस्य बिट्स में LGBT+ समुदाय के प्रति सही जागरूकता के अभाव के कारण अपनी पहचान काफी है तक अप्रत्यक्ष रखनी पड़ी। अपनी स्थापना के शुरूआती वर्षों में ज्यादा परिवर्तन लाने में असफ़ल रहने के पश्चात, 2019 के कोरोना लॉकडाउन में कुछ विद्यार्थियों ने एंकर को सिद्ध करने का सपना एक बार फिर देखा और इस बार उन्होंने ठान लिया था कि वे सफलता चूमने से पहले थमने वाले नहीं हैं। ढेर सारे जूनून और उम्मीद की इस नई किरण के साथ LGBTQ+ संप्रदाय के सदस्यों के लिए एक सकुशल और सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए एंकर में नए सदस्य भर्ती किए गए। समय के साथ-साथ कुछ लोगों की सोच बदली और अब लोग खुले तौर पर अपनी सेक्सुअल ओरिएनटेशन साझा करने से कतराते नहीं है।

इसी सकारात्मक बदलाव का जश्न मनाने और प्यार नामक आजादी का रस लेने हेतु एंकर ने अपोजी में एक प्राइड परेड का आयोजन किया। इसके साथ एंकर ने अपने ठेमे में 2 अन्य इवेंट भी प्रस्तुत किए। पहला था फेस पेंटिंग बूथ, जिसमे चेहरे को इंद्रधनुष के रंगों (जो कि LGBTQ+ झंडे के रंग भी हैं) से पेंट करने का प्रबंध था। एंकर के सह-संस्थापक, नमन भारती ने बताया कि किस प्रकार यह फ़ेस पेंटिंग बूथ एक प्रमुख आकर्षण था और प्राइड परेड में आए सभी लोगों ने इसमें भी उत्सुकतापूर्वक भाग लिया। दूसरा था “वॉल ऑफ हैपीनेस”, जिसमे इंद्रधनुषी रंगों के 'पोस्ट इट्स' पर प्रतिभागियों ने होमोसेक्सुअलिटी के बारे में अपने भाव व्यक्त किए और होमोफ़ोबिया के खिलाफ़ इस जंग में अपने साथियों को सहारा दिया। इसके साथ ही साथ प्रतिभागियों ने मार्च शुरू होने से पहले अनेक पोस्टर बनाए और उन पर LGBTQ+ संबंधित नारे लिखे। संध्या समय जब परेड आरंभ हुई तो सभी ने इंद्रधनुष के रंगों के कपड़े पहने और अपने साथ LGBTQ+ झंडे और पोस्टर लेकर NAB के चारों ओर परेड की। इस परेड के दौरान LGBTQ+ नारे लगाए गए और क्वीर(Queer) गीतकारों द्वारा गाए गाने बजकर प्राइड और इन्क्लुसिवनेस को मनाया गया। इसमें कुछ नारे थे “ई ऍम गे, इट्स ओके”, “वी आर हीअर, वी आर क्वीर”, “लव इज़ लव”। कुछ उत्साही प्रतिभागी अपने सेक्सुअल ओरिएनटेशन के अनुसार कपड़े पहन कर आए, जैसी कि एक व्यक्ति ने असेक्सुअल झंडे के रंगों का पेंट अपने चेहरे पर किया और उन्ही रंगों के कपड़े भी पहने।

बाइसेक्सुअल, पैनसेक्सुअल, असेक्सुअल, ट्रांसजेनडर इत्यादी अनेक समूह झंडे भी परेड में मौजूद थे, जिन्हें लोग अपनी सेक्सुअल ओरिएनटेशन के अनुसार लहर रहे थे और शान से उनके साथ तस्वीरें निकाल रहे थे। सभी प्रतिभागियों को इन झंडों का मतलब भी समझाया गया ताकि उनका ज्ञान बड़े और वे LGBTQ+ समूह और समूह के सदस्यों को समझ सकें। परेड के सभी प्रतिभागियों को “एलाई बैजिस”(Ally Badges) भी पहनाए गए और अंत में रोटुंडा पहुंचकर प्राइड परेड की समाप्ति हुई। बिट्स पिलानी के पहले इवेंट के अंत को ग्रुप फोटोस खींचकर मनाया गया। 150 से ज्यादा लोगों की जबर्दस्त उपस्तिथि के साथ यह प्राइड परेड एंकर की उम्मीदों पर खरी उतरी। सभी ने परेड की सराहना करते हुए बताया कि किस प्रकार एंकर ने एक अति आवश्यक विषय पर बातचीत शुरू कर LGBTQ+ समूह के लिए समर्थन बढ़ाने हेतु एक मंच प्रदान किया है और किस प्रकार यह LGBTQ+ स्वीकृति की दिशा में एक विशाल कदम है।

मैं पारम्परिक विबाह और लिंग भूमिकाओं में विश्वास करता हूँ। मेरी पैरेड कहाँ है?
दशकों पीछे !

अपोजी हिंदी प्रेस

अल्लाह की गाय

प्री-अपोजी टॉक, पिंकी, दद्दा, ईद का चाँद,
प्रियतम, अर्की, केम छो, पब्लिशर

शकल तो दिखादे, गम्ला-चोर, संभल लूँगा, सचदेव, धोखेबाज़, सेकंड लेदी, तेरे नाम, मिस्टर इंडिया, दिवा, कैसुअल, बेस्ट-फ्रेंड

द नीडि गाय, आत्मनिर्भर, हो कहाँ?, विद्रोही, मरीज़, सुन मेरी बात, लंका लगा दूँगा, डीज़ाइनर, सोच रही हूँ छोड़ दू, कैम्पएनर, गद्दा, गुस्तोरा पास्ता, ट्रीट कहाँ हैं?

एन.डी.ए, मुँह दिखाई, गंगा भैया, हनुमान, फ्लिर्ट, सिनिअर, बुखार, बास्केट बौल